An ISO 9001:2015 Certified Organization

GLOBAL COMPETITION SOCIETY

Duration : **60 Min.**
Total Ques. : **50**
Paper Type : **H 1**

10 CLASS

ग्लोबल हिन्दी ओलम्पियाड

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्न सं. 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

गांधीवाद में राजनीतिक और आध्यात्मिक तत्वों का समन्वय मिलता है। यह इसी वाद की वि ोशता है। आज संसार में जितने भी वाद प्रचलित है वह प्राय: राजनीतिक क्षेत्र में सीमित हो चुके है। आत्मा से उनका संबंध–विच्छेद होकर केवल बाह्य संसार तक उनका प्रसार रह गया है। मन की निर्मलता और ई वर–निश्ठा से आत्मा को भाुद्ध करना गांधीवाद की प्रथम आव यकता है। ऐसा करने से नि:स्वार्थ बुद्धि का विकास होता है और मनुश्य सच्चे अर्थो में जन सेवा के लिए तत्पर हो जाता है। गांधीवाद में सांप्रदायिकता के लिए कोई स्थान नहीं है।

1- mi;qDr x|k'k dk 'kh"kd g&
(क) गांधी जी और अध्यात्म
(ख) गांधीवाद और राजनीतिक
(ग) गांधी जी के विचार
(घ) राजनीतिक, साम्प्रदायिकता और ई वर
(ड.) इनमें से कोई नहीं

2- xk/khokn dk cfu;knh ljkdkj g&
(क) राजनीतिक तत्व और आध्यात्मिक तत्व
(ख) आध्यात्म और सांप्रदायिक्ता
(ग) राश्ट्र सेवा और आध्यात्म
(घ) सांप्रदायिकता की समस्या
(ड.) इनमें से कोई नहीं

3- ^vk/;kfRed^ 'kCn esa iR;; g&
(क) अध्यात्म + ईक (ख) आध्य + मिक
(ग) अध्यात्म + इक (घ) आध्यात्म + ईक
(ड.) इनमें से कोई नहीं

4- xk/kh th us thou dk U;kNkoj fdl dkj.k fd;k\
(क) सांप्रदायिकता की समस्या
(ख) सादा जीवन और राजनीतिक के लिए
(ग) पूजा करने के लिए
(घ) अपने स्वार्थ के लिए
(ड.) इनमें से कोई नहीं

5- vkt lHkh okn dgk rd lhfer g\
(क) धर्म तक
(ख) जाति तक
(ग) राश्ट्र सेवा तक
(घ) आध्यात्मिक और राजनीतिक तक
(ड.) इनमें से कोई नहीं

निम्न मुहावरों के अर्थो के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए :

6- vx&vx <hyk gkuk] dk vFk g&
(क) बहुत निरा ा होना
(ख) बहुत थक जाना
(ग) बहुत धीरे–धीरे काम करना
(घ) दिन रात काम करना
(ड.) इनमें से कोई नहीं

7- py cluk dk vFk g&
(क) आगे बढ़ाना (ख) परम्परावादी होना
(ग) परलोक सिधारना (घ) बरस पड़ना
(ड.) इनमें से कोई नहीं

8- ^n'kkuu^ esa dkSu&lk lekl g\
(क) तत्पुरूश (ख) कर्मधारय समास
(ग) द्विगु समास (घ) बहुब्रीहि
(ड.) इनमें से कोई नहीं

9- gLr fyf[kr esa lekl g&
(क) द्विगु (ख) तत्पुरूश
(ग) कर्मधारय (घ) अव्ययीभाव
(ड.) इनमें से कोई नहीं

सही संधि–विच्छेद कीजिए :

10- jkt Unz
(क) राज + इन्द्र (ख) राजा + इन्द्र
(ग) राज + ईन्द्र (घ) राजे + एन्द्र
(ड.) इनमें से कोई नहीं

11- u|i.k
(क) नदी + अर्पण (ख) नद्य + अर्पण
(ग) नदि + अर्पण (घ) नद्यं + र्पण
(ड.) इनमें से कोई नहीं

12- ^x.k'k^ esa dkSu&lh lf/k g\
(क) स्वर संधि (ख) विसर्ग संधि
(ग) व्यंजन संधि (घ) 'आध्यात्मिक
(ड.) इनमें से कोई नही

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 13 से 17 तक के उत्तर दीजिएः

हमारी खराबी का स्त्रोत कहाँ है– इसका पता हमें लगाना चाहिए और वहीं से उसे ठीक करने का प्रयत्न करना चाहिए। स्त्रोत वहीं हो सकता है जहाँ से हमारा जीवन प्रारंभ होता है और वह है हमारा घर। हमारे घर की इस समय बड़ी दुर्व्यवस्था है। अव य ही आप लोगो को अपने घर में संतोश होगा। असंतोश इसी कारण हो सकता है कि अपने घर में कुछ दोश आप पाते हैं परंतु दोश की कुछ जिम्मेदारियाँ आपके ऊपर भी तो हैं। ऐसी स्थिति में आपका कर्तव्य है कि आप इन दोशों को दूर करने का यत्न करें। सबके भावों का आदर करते हुए आपको ऐसा प्रयास करना होगा कि आपके कारण किसी दूसरे को कश्ट न हो। इससे घर में भाांति और सौहार्द में वृद्धि होगी। आजकल की सबसे विचित्र बात यह है कि कोई अपना दोश नहीं देखता सब कोई दूसरे को दोश देते हैं। आज के संसार में आपकी बड़ी जिम्मेदारीहै। आगे का भारत वैसा ही होगा जैसा आप लोग अपने जीवन से उसे बनाएंगे। यदि आप अपना काम ठीक तरह से करते हैं तो आप सब दे भक्त हैं और यदि अपने काम के प्रति उदासीन हैं तो आप वास्तव में दे द्रोही हैं।

13- L=kr dk vFk g&

(क) भाुरूआत (ख) जिम्मेदारी
(ग) अपना (घ) जोड़ना
(ड.) इनमें से कोई नहीं

14- [kjkch dk L=kr g&

(क) बाहर (ख) घर में
(ग) गैरजिम्मेदारी (घ) जोड़ना
(ड.) इनमें से कोई नहीं

15- ^n'k nkgh^ dku g\

(क) जो दे की सूचना दे (ख) अपना दोश दूसरों पर मंढे
(ग) अपने काम के प्रति उदासीन हो (घ) दुर्व्यवस्था फैलाने वाला
(ड.) इनमें से कोई नहीं

16- n'kHkDr dk foxg gkxk&

(क) दे का भक्त
(ख) भक्तिभावना
(ग) दे के उद्धार के लिए भक्ति करना
(घ) बलिदान देना
(ड.) इनमें से कोई नहीं

17- mi;Dr x|k'k e fofp= ckr g&

(क) दूसरों को दोश देना (ख) अपने को दोश नहीं देना
(ग) जिम्मेदारी से मुकर जाना (घ) अपना दोश दूसरों पर मंढे
(घ) इनमें से कोई नहीं

uhp fn, x, 'kCnk e rRle 'kCn dk p;u dhft,%

18. (क) जिलाधी (ख) आरामगृह
(ग) राश्ट्रमाता (घ) जेब खर्च
(ड.) इनमें से कोई नहीं

19. (क) स्नानगृह (ख) योजना कमी न
(ग) बिजली यंत्र (घ) इनमें से कोई नहीं
(ड.) इनमें से कोई नहीं

20. (क) अत्याचारी (ख) बखूबी
(ग) अनबोल (घ) गेरहाजिर
(ड.) इनमें से कोई नहीं

21- dku&lk ^vi^ milx l fufer ugh g\

(क) अधिगम (ख) अपक्रम
(ग) अपवाद (घ) अप्रकृति
(ड.) इनमें से कोई नहीं

22- ^vUukHkko^ fdl izdkj dk lekl g\

(क) तत्पुरूश (ख) अव्ययीभाव समास
(ग) कर्मधारय (घ) द्वन्द्व
(ड.) इनमें से कोई नहीं

23- ^ipoVh^ fdl izdkj dk lekl g\

(क) कर्मधारय (ख) द्वन्द्व
(ग) बहुब्रीहि (घ) द्विगु
(ड.) इनमें से कोई नहीं

24- ^viuh f[kpMh vyx idkuk^ dk vFk g&

(क) दाल और चावल मिलाकर पकाना
(ख) साथ मिलकर न रहना
(ग) दाल और चावल अलग–अलग पकाना
(ड.) इनमें से कोई नहीं

25- ^pj.k dey cnk gfjjkb^ e vyadkj g&

(क) उपमा (ख) उत्प्रेक्षा
(ग) रूपक (घ) यमक
(ड.) इनमें से कोई नहीं

26- ikgu T;k vk, gk xko e 'kgj d e?k vk, cMs cu&Bu d loj d

(क) अन्योक्ति (ख) उत्प्रेक्षा
(ग) भ्रवीकरण (घ) उपमा
(ङ) इनमें से कोई नहीं

27- tgk ,d gh 'kCn ,d l vf/kd ckj vk, vkj gj ckj mldk vyx&vyx vFk gk ogk gkrk g&

(क) यमक (ख) भलेश
(ग) अनुप्रास (घ) उपमा
(ड.) इनमें से कोई नहीं

28- ^eu";^ fdl izdkj dh lKk g\

(क) व्यक्तिवाचक (ख) भाववाचक
(ग) जातिवाचक (घ) द्रव्यवाचक
(ड.) इनमें से कोई नहीं

29- o /ofu;k ftldk mPpkj.k ukfldk l gkrk g o dgykr g&

(क) चन्द्रबिन्दु (ख) अनुनासिक
(ग) अनुस्वार (घ) विसर्ग
(ड.) इनमें से कोई नहीं